महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे ०४

शासन निर्णय क्र.संकीर्ण२०१९/प्र.क्र.(२४३/१९)/एस.डी.४,

दिनांक ८ ऑगस्ट,२०१९ नुसार

इयता १०वी –हिंदी

(प्रथम भाषा)

सुधारित मूल्यमापन आराखडा

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

विषय – हिंदी (प्रथम भाषा) कुमारभारती

कक्षा – नौवीं / दसवीं

कार्य – कृतिपत्रिका का प्रारूप (आराखडा)

घटकनिहाय अंक विभाजन

कुमारभारती अंक विभाजन			विकल्प अंक
विभाग	घटक	अंक	
1	गद्य	20	06
2	पद्य	12	
3	पूरक पठन	08	
4	भाषा अध्ययन (व्याकरण)	14	02
5	रचना विभाग (उपयोजित लेखन)	26	24
		80	**32**

समय : 3 घंटे **कुल अंक : 80**

विभाग 1 - गद्य : 20 अंक

प्र. **1** (अ) पठित गद्यांश (120 से 140 शब्द) **7 अंक**

प्र. **1** (आ) पठित गद्यांश (120 से 140 शब्द) **7 अंक**

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) **2**

(2) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) **2**

(3) अभिव्यक्ति (30 से 40 शब्दों में) 3

6 अंक

कार्यपत्रिका का केवल शीर्षक ही देना अपेक्षित है।)

प्र. 1 (इ) अपठित गद्यांश (100 से 120 शब्द)

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 2

(2) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 2

(3) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) 2

विभाग 2 - पद्य : 12 अंक

सूचना प्र. 2 (अ) और (आ) के लिए अलग-अलग कविताओं का चयन आवश्यक है ।

प्र. 2 (अ) पठित पद्यांश (8 से 10 पंक्तियाँ) 6 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 2

(2) शब्दसंपदा (4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 2
(शब्दसंपदा कृति में अनेकार्थी शब्द, शब्दयुग्म,समानार्थी/पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, उपसर्ग,प्रत्यय,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, कठिन शब्दों के अर्थ, लिंग,वचन,कृदंत,तद्धित,तत्सम, तद्भव तथा विदेशी शब्द आदि पूछे जा सकते हैं।)

(3) सरल अर्थ/भावार्थ (25 से 30 शब्दों में) 2

प्र. 2 (आ) पद्य विश्लेषण : (विकल्प अंक : 6) 6 अंक
(दो पठित कविताओं में से एक का पद्य विश्लेषण आवश्यक है । कविता का केवल शीर्षक ही देना अपेक्षित है ।)

(1) रचनाकार का नाम 1

(2) रचना की विधा 1

(3) पसंद की पंक्तियाँ 1

(4) पंक्तियाँ पसंद होने का कारण 1

(5) रचना से प्राप्त संदेश/प्रेरणा (25 से 30 शब्दों में) 2

विभाग 3 - पूरक पठन : 8 अंक

प्र. 3 (अ) पठित गद्यांश (80 से 100 शब्द) — 4 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 2

(2) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) — 2

प्र. 3 (आ) पठित पद्यांश (6 से 8 पंक्तियाँ) — 4 अंक

(1) आकलन कृति (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक अथवा 4 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 2

(2) अभिव्यक्ति (25 से 30 शब्दों में) — 2

विभाग 4 - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

प्र. 4 सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : — 14 अंक — 4 अंक

(1) दो अव्यय शब्दों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग करना (1 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक) — 1

(2) संधि (पहचानना, विच्छेद करना, संधि शब्द बनाना) (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(3) सामासिक शब्द विग्रह और समास का प्रकार लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(4) अलंकार पहचानकर प्रकार-उपप्रकार लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(5) दो मुहावरें में से किसी एक का अर्थ और वाक्य में प्रयोग (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(6) विरामचिह्न का प्रयोग (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(7) कारक पहचानना और भेद लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) — 1

(8) वाक्य शुद्ध करना (2 घटक, प्रत्येक के लिए ½ अंक) 1

(9) छंद पहचानना, मात्राएँ लिखना (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक) 2

(10) काल परिवर्तन (2 घटक, प्रत्येक के लिए 1 अंक) 2

(11) वाक्य के भेद – 2

i) रचना के आधार पर वाक्य का भेद पहचानना

ii) अर्थ के आधार पर वाक्य परिवर्तन करना

विभाग 5 - रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

प्र. 5 - सूचनाओं के अनुसार लिखिए : 26 अंक

(अ) (1) पत्रलेखन (औपचारिक/अनौपचारिक (दो में से एक)(विकल्प अंक :5) 5

(2) गद्य आकलन (100 से 120 शब्द) (अपठित गद्यांश पर आधारित 4 प्रश्न तैयार करना) 4

प्र. 5 (आ)(1) वृत्तांत लेखन (70 से 80 शब्दों में) 5

अथवा कहानी लेखन (70 से 80 शब्दों में) (विकल्प अंक :5)

(2) विज्ञापन लेखन (50 से 60 शब्दों में) 5

प्र. 5 (इ) निबंध लेखन (तीन में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में) 7

(विकल्प अंक 14)

(पाँच प्रकारों में से तीन प्रकार के विषय देने हैं । विद्यार्थियों को उनमें से किसी एक विषय पर निबंध लिखना है ।)

(आवश्यकता नुसार प्रारुप में परिवर्तन करने का अधिकार महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल का रहेगा ।)

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ, पुणे

विषय - हिंदी प्रथम/द्वितीय भाषा (कुमारभारती/लोकभारती)

कक्षा - नौवीं एवं दसवीं

लिखित व मौखिकी मूल्यमापन योजना

प्रथम सत्र	द्वितीय सत्र
लेखी परीक्षा - 80 अंक अंतर्गत मूल्यमापन - 20 अंक	लेखी परीक्षा - 80 अंक अंतर्गत मूल्यमापन - 20अंक
अ)स्वाध्याय 5-5 अंकों के 2 कुल अंक 10	अ)स्वाध्याय 5-5 अंकों के 2 कुल अंक 10
ब) मौखिक परीक्षा 1) श्रवण कौशल - 5 अंक 2) भाषण कौशल - 5 अंक	ब) मौखिक परीक्षा 1) श्रवण कौशल - 5 अंक 2) भाषण कौशल - 5 अंक

अ) स्वाध्याय -

* **प्रथम सत्र** - 2 स्वाध्याय 10 अंक, प्रत्येक के लिए 5 अंक
* **द्वितीय सत्र** - 2 स्वाध्याय 10 अंक, प्रत्येक के लिए 5 अंक

सूचनाएँ - * चारो स्वाध्याय पाठयपुस्तक में अंतर्निहित गद्य, पद्य,भाषा अध्ययन (व्याकरण), उपयोजित लेखन (रचना विभाग) इन विभागों पर आधारित हो ।

* दो विभाग प्रथम सत्र में तथा दो विभाग द्वितीय सत्र में लेना अपेक्षित है ।
* विद्यार्थियों के लिखित स्वाध्याय विद्यालय द्वारा प्रमाणित किए हुए स्वतंत्र 'फुलस्केप ' कागज पर लेना अनिवार्य है ।
* विद्यार्थियों के लिखित स्वाध्याय एवं अंकदान सूची शालेय स्तर पर सुरक्षित रखना अनिवार्य है ।

ब) मौखिक परीक्षा

1. **श्रवणकौशल (निम्नलिखित में से केवल एक)** **5 अंक**

I) *** गद्यांश सुनकर उसपर आधारित पूछे गए पाँच वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना ।**

II) *** दिए गए विषय पर विचार प्रकट करना ।**

सूचनाएँ –

1) * पाठयपुस्तक में 'संभाषणीय' 'मौलिक सृजन' और 'अभिव्यक्ति' के अंतर्गत दिए गए विषयों का आधार लिया जाएँ या । पाठयपुस्तक के अलावा अन्य विषय लेना चाहते हो तो वे विषय विद्यार्थियों के अनुभव विश्व से संबंधित हो ।

2) * विषय पहले से ही दें । ऐन समय पर न दें ।

III) *** पाठयपुस्तक के पाठ अथवा कविता पर आठ से दस वाक्यों में अपने विचार प्रकट करना ।**

सूचनाएँ –

1) इस कौशल का मूल्यांकन करते समय निम्न मुद्दों पर गौर करें ।

- पाठ/कविता का नाम, रचनाकार का नाम, विधा, संक्षेप में आशय, पसंद आने वाली पंक्तियाँ और उसका कारण बताना अपेक्षित है ।
- विद्यार्थी का उच्चारण, आत्मविश्वास, प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति और मुद्दोंसहित विश्लेषण अपेक्षित है ।

महत्त्वपूर्ण –

1) श्रवण कौशल की उत्तर पत्रिकाएँ एकत्रित करके संजोकर रखें ।

2) संभाषण कौशल – पढी हुई पुस्तक के बारे में विद्यार्थी के स्वमत संबंधी एक-दो वाक्यों में परीक्षक की टिप्पणी आवश्यक है ।

3) श्रवण कौशल के लिए प्रयुक्त किया जानेवाला गद्यांश/पद्यांश आशय किसी भी व्यक्ति, समाज,ऐतिहासिक व्यक्ति, जाति, धर्म, पंथ, वर्ण, लिंग, राजनैतिक आदि के संबंध में आक्षेपार्ह न हो । किसी की भावनाओं को क्षति पहुँचानेवाला आशय न चुना जाए ।

4) ' रिक्त स्थानों की पूर्ति ' के अलावा अन्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रकारों का प्रयोग करें ।

5) कक्षा नौवीं के लिए दोनों सत्र परीक्षाओं के तथा कक्षा दसवीं की माध्यमिक शालांत परीक्षा के अंतर्गत मूल्यमापन की पूर्ण सामग्री सँभालकर रखें ।

iii) गद्यांश का चयन करते समय ध्यान में रखे कि उस पर तीन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों की निर्मिति हो सके । (एक शब्द में, एक वाक्य में उत्तर । प्रश्न आकलन आधारित हो ।)

iv) विद्यार्थियों की अवधान कक्षा को ध्यान में रखते हुए गद्यांश का चयन करे ।

v) विद्यार्थियों के बीस-बीस के गुट बनाएँ ।

vi) प्रत्येक गुट के लिए अलग गद्यांश दिया जाएँ ।

vii) ध्यान रहे कि चुने गए गद्यांश, पूछे गए प्रश्न, नमुना उत्तरपत्र एवं विद्यार्थियों के उत्तर पत्र शालेय स्तर पर संभालकर रखने है ।

II) दो वाक्य अथवा 6 शब्द सुनकर लिखना ।

सूचनाएँ –* वाक्य अथवा शब्द पाठयपुस्तक से ही लेने है ।

* चयनित वाक्यों या शब्दों में संयुक्ताक्षर, अनुस्वारयुक्त शब्द , अनुनासिक शब्द एवं विरामचिह्न आदि का होना आवश्यक है ।

3) * कविता सुनकर उसपर आधारित कम से कम तीन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना ।

सूचनाएँ – i) चयनित पद्यांश पाठयपुस्तक से ही हो ।

ii) विद्यार्थियों की अवधान कक्षा को ध्यान में रखते हुए ऐसा पद्यांश चुने जिस पर तीन प्रश्नों की निर्मिति हो सकें ।

iii) प्रत्येक गुट के लिए अलग-अलग पद्यांश हो ।

4) ऑडिओक्लिप सुनकर उसपर आधारित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखना (तीन प्रश्न)

सूचना –* ऑडिओक्लिप पाठयपुस्तक से संबंधित 2/3 मिनट की हो ।

2) **भाषण कौशल (निम्नलिखित में से केवल एक) (2 अंक)**

I) **पढ़ी हुई किसी रचनाकार की कृति के संदर्भ में स्वमत प्रकट करना ।**

सूचनाएँ –

इस कौशल का मूल्यांकन करते समय निम्न मुद्दों पर गौर करें –

i) पुस्तक का नाम, रचनाकार, संक्षेप में आशय, पुस्तक पसंद आने के कारण ।

ii) स्वमत बताते समय विद्यार्थी का उच्चारण, प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास आदि के आधार पर अंकदान किए जाएँ ।

II) **दिए गए विषय पर विचार प्रकट करना ।**